

## रक्तचाप-मधुमेह-नाड़ी रीडिंग

रक्तचाप, मधुमेह और नाड़ी रीडिंग के बारे में, मैं जो जानता हूँ अब वह मैं आपको बताऊंगा। वर्ष 2006 में, मधुमेह रीडिंग अचानक कम होने के कारण मेरे पिता कोमा में चले गए। फिर हम उसे अपोलो अस्पताल ले गए। आपातकालीन उपचार के बाद वह कोमा से बाहर आ गए। तब मेरे चचेरे भाई ने अस्पताल आकर मुझसे कहा कि, आप अपने पिता से ध्यान करने के लिए मत कहो। मैंने पूछा क्यों? उन्होंने कहा, जब भी वह ध्यान करते हैं, उनकी नाड़ी रीडिंग और बी.पी. बढ़ती है। उसने यह कहकर मुझे डरा दिया। तब मैं असमंजस में पड़ा, अपने पिता को ध्यान करने के लिए मार्गदर्शन करूँ या नहीं, मुझे एक मैडम का फोन आया। उसने कहा कि आपकी सलाह के बाद, मेरे गर्भाशय में ट्यूमर पिघल गया और डॉक्टरों ने कहा, अब ऑपरेशन की कोई जरूरत नहीं है। तब मैं बहुत उत्साहित हो गया और अपने पिता से ध्यान करने के लिए, न्यूएनर्जी कॉन्सेप्ट का पालन करने की सलाह दी।

परीक्षा के बाद डॉक्टरों ने कहा कि मेरे पिता की 2 किडनी फेल हो गई, और वह निमोनिया और लिवर पीलिया से भी पीड़ित हैं। उन्होंने कहा कि हालत बहुत गंभीर है और मर भी सकते हैं। मैंने अपने पिता को नहीं छोड़ा, ध्यान करने को उत्साहित किया। लेकिन रीडिंग के मामले में मेरा संदेह बना रहता है।

डॉक्टर रोज आकर जांच करते थे। एक दिन मेरे पिता ध्यान करते समय डॉक्टर चेकअप के लिए आए। मेरे पिता की नाड़ी की दर 120 थी। सर शांत रहें, मैं एक सामान्य चेकप कर रहा हूँ, ऐसा बोल कर उन्होंने फिर से जाँच की और 120 पाया। तीसरी बार भी नाड़ी 120 थी। क्या आपकी नाड़ी की दर हमेशा 120 रहती है ऐसा मेरे पिता से पूछ कर आश्चर्य से डॉक्टर चला गया।

तब मेरे पिता ने मुझसे पूछा कि, मैं डॉक्टर नहीं हूँ, फिर मुझे अपनी पल्स दर के बारे में कैसे पता चलेगा? तब मैंने पूछा कि आपके अंदर कैसा है? उन्होंने कहा कि मैं हमेशा ध्यान कर रहा हूँ और मैं शांत रहता हूँ। फिर मैंने पूछा, क्या आप सामान्य पल्स रीडिंग चाहते हैं, या शांति चाहते हैं? मेरे पिता ने कहा, मैं शांति चाहता हूँ, मुझे रीडिंग की परवाह नहीं है।

लेकिन डॉक्टरों को संदेह हुआ और उन्होंने दिल का परीक्षण किया। रिपोर्ट्स सामान्य थीं। लेकिन पल्स रीडिंग 120 थी, बी.पी., मधुमेह का रीडिंग भी असामान्य था। सुबह एक प्रकार, दोपहर एक प्रकार, शाम एक प्रकार रीडिंग थे। जिसे देखकर डॉक्टर हैरान रह गए। अंत में 13 वें दिन डॉक्टर ने आश्चर्य के साथ कहा कि, आपके पिता 100% सामान्य हैं और उनके किडनी सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। डॉक्टर ने कहा, उनकी क्रिएटिनिन रीडिंग 6 के आसपास थी और यह 13 वें दिन 1.5 तक पहुंच गई। दिन-प्रतिदिन क्रिएटिनिन का स्तर कम हो गया और सामान्य स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह बी.पी., मधुमेह भी सामान्य आया। इस प्रकार की आरोग्य प्राप्ति इतिहास में असंभव है। डॉक्टरों को आश्चर्य हुआ कि 75 वर्षीय व्यक्ति के लिए यह कैसे संभव हुआ। 15 वें दिन उन्होंने मेरे पिता को डिस्चार्ज किया।

फिर मैंने आत्मा के स्तर पर अपने पिता की आत्मा से पूछा कि, यह कैसे संभव हुआ, यह परिणाम कैसे आया जो डॉक्टरों के अनुसार असंभव है, अंदर क्या हुआ?

अंदर से जवाब था, मैंने पल्स रेट बढ़ाकर 120 कर दिया और आवश्यकता के अनुसार मैंने बीपी, शुगर लेवल भी बढ़ा दिया। फिर मैंने दोनों किडनी को दबाव भेजा और सभी कचरे को हटा दिया। उस जगह पर ब्लॉक था, उस क्षेत्र में दबाव डालने के कारण ब्लॉक साफ हो गया। वाहन की सर्विसिंग करते समय, दबाव के साथ पानी का उपयोग करके सफाई की जाती है, उसी तरह मैंने दोनों किडनी को दबाव भेजा। यही कारण है कि किडनी सामान्य रूप से कार्य कर रही है। डॉक्टर्स केवल बीपी, शुगर और पल्स रीडिंग नॉर्मल लाने कि कोशिश कर रहे हैं, लेकिन नॉर्मल आने से कचरा साफ नहीं होगा। डॉक्टरों को पता नहीं, आत्मा शक्ति का उपयोग कैसे करना है। शरीर, मन, हृदय और आत्मा के बीच सहयोग से ही यह परिणाम संभव है। यही संदेश मुझे मिला।

एक साल के बाद फिर क्या हुआ... मेरे पिता के फेफड़ों में समस्या शुरू हो गई। मेरे भाई उन्हें अस्पताल ले गए, रिपोर्ट देखकर डॉक्टर हैरान रह गए। उन्होंने कहा कि आप कैसे चलते हैं, यहां तक कि मैं नहीं चल सकता अगर मेरी रीडिंग इस तरह होती तो। आपके 90% फेफड़े खराब हो गया। उन्होंने दवाइयां दीं और कहा कि एक महीने के बाद फिर आना।

तब दुखी होकर मेरी माँ ने मुझसे कहा कि फेफड़े खराब हो गए। मैंने कहा, यह खराब नहीं मरम्मत का काम चल रहा है, और फिर से यह सामान्य हो जाएगा। पिता ध्यान और नकारात्मक शक्तियों पर प्रेम कर रहे हैं, इसलिए वह उनका समर्थन करेंगे। तब भी मेरी माँ ने मुझ पर विश्वास नहीं किया। मेरा भाई एक महीने के बाद उसे डॉक्टर के पास ले गया, फिर रिपोर्ट देखकर डॉक्टर को आश्चर्य हुआ, इस बार उसने मेरा भाई से कहा कि, 90% खराब फेफड़े कैसे सामान्य हो गए? आपके पिता के फेफड़े, आपके फेफड़ों और मेरे फेफड़ों की तरह परिपूर्ण और सामान्य है। नकारात्मक शक्तियों से कैसे बात करना यह जानने के लिए न्यूएनर्जी ज्ञान सूत्र अध्याय पढ़िए।

एक बार मैं अपने पिता को नियमित जांच के लिए अस्पताल ले गया। डॉक्टर यह देखकर आश्चर्यचकित थे कि उनके मधुमेह रीडिंग 500 थी। पिता डॉक्टर के पास चल कर बैठ गया। रिपोर्ट देखकर डॉक्टर हैरान रह गए और सवाल किया, क्या आप सामान्य हैं? क्या आप शांत हैं? मेरे पिता ने कहा, हां। यह सुनकर डॉक्टर आश्चर्य हो गया।

मैंने अपनी क्लासेस में इन अनुभवों को बताना शुरू किया। तब लोगों ने अपने अनुभव बताना शुरू किया। एक व्यक्ति ने कहा कि उनका मधुमेह का स्तर 400 के आसपास था और डॉक्टर यह सुनकर हैरान थे कि वह 1 किलोमीटर चलकर उनसे मिलने आए। डॉक्टर ने पूछा कि इतने रीडिंग होते हुए भी आप कैसे पैदल चलकर आया? तब उन्होंने कहा कि मैं ध्यान करता हूँ।

जब मैं वैजाग गया, तो एक व्यक्ति जिसकी उम्र 75 वर्ष थी, उसने मुफ्त चिकित्सा जांच शिविर को देखा। वह उस शिविर में गए और अपने मधुमेह रीडिंग जानने के लिए रक्त

दिया। डॉक्टरों ने उसे अगले दिन आने के लिए कहा। जब उन्होंने अगले दिन रिपोर्ट देखी तो वह आश्चर्यचकित रह गए, क्योंकि उनकी मधुमेह रिपोर्ट 590 दिखाई दे रही थी। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों के अनुसार, यदि व्यक्ति का रीडिंग 590 रहती है तो वह कोमा में होगा। लेकिन वह पैदल चल के खून दे के, घर जा के अगले दिन फिर आखें रिपोर्ट लिया। यह उनके लिए कैसे संभव हुआ? रिपोर्ट देखने से पहले वह सामान्य था लेकिन रिपोर्ट देखकर वह तनाव में आ गया।

एक बार, डॉक्टर मेरी क्लास सुनने के लिए आए। मैंने डॉक्टर से पूछा क्या प्रसव के समय रीडिंग सामान्य होगी? उसने कहा कि नहीं, रीडिंग असामान्य होगा। उन्होंने यह भी कहा कि शरीर प्रसव के बाद स्वाभाविक रूप से खुद को संतुलित करता है।

जब मैं बेंगलुरु शहर गया, तो एक व्यक्ति ने मुझसे पूछा कि, बिना मिठाई खाए और दवाई लेने के बाद भी मेरा शुगर लेवल 450 के आसपास है, इसे सामान्य बनाने के लिए क्या करना चाहिए? फिर मैंने कहा कि, रीडिंग का चिंता न करें और यदि आप मिठाई खाना चाहते हैं, तो खा लें। मेरी सलाह सुनने के बाद तुरंत उन्होंने साहसिक कार्य करने का फैसला किया। दवाइयाँ छोड़ दिया, मिठाई खाने लगे। घर में रोज उन्होंने मशीन से शुगर टेस्ट किया। हमेशा उनकी रीडिंग 450 के आसपास थी, एक बार यह 600 हो गई, तब भी वे स्वस्थ थे। डॉक्टरों के अनुसार उसे कोमा में होना चाहिए, लेकिन रोज वह 12 घंटे काम करते थे।

उनके परिवार के डॉक्टर उनके शुगर लेवल को देखकर हैरान हो गया। उन्होंने पूछा कि आप आत्मविश्वास से कैसे रहते हैं। डॉक्टर ने यह चेतावनी भी दी कि, यदि आप दवाइयाँ नहीं लेते और रीडिंग उसी स्तर पर जारी रहे तो, किडनी खराब होने की संभावना है। फिर भी 2009 से वह साहसिक कार्य कर रहा है। 2010 में उनके डॉक्टर ने वापस बुलाया और उनका हाल पूछा। स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में पूछताछ करने के बाद, डॉक्टर ने उन्हें बताया कि, यहां तक कि दवाएँ लेने से भी उनके मरीज के रीडिंग सामान्य नहीं हो रहे हैं, और उन्होंने न्यूएनर्जी कॉन्सेप्ट के बारे में पूछा।

2011 जून को मैंने जागित्याल शहर में क्लास ली और मैंने रीडिंग के बारे में कहा। तब एक व्यक्ति ने अपना अनुभव बताया। एक साल पहले जब उन्हें बुखार आया, तब वे चेकप के लिए डॉक्टर के पास गए, उनकी शुगर रीडिंग 600 थी। डॉक्टर ने उन्हें दवाई लेने की सलाह दी। फिर भी एक महीने बिना दवाई के ही उन्होंने मेडिटेशन किया। वह स्वस्थ था। जब उन्होंने फिर से जाँच की, तो उनकी शुगर रीडिंग लगभग 500 थी। इस जानकारी के बाद उनकी पत्नी ने उन्हें दवाइयाँ लेने और डॉक्टरों की सलाह मानने के लिए मजबूर किया। दवाइयाँ लेने की वजह से, उन्हें चक्कर आना, अचानक गिरना, और लो शुगर होता था। मेरी क्लास सुनने के बाद उन्होंने दवाई छोड़ने का साहस किया। जुलाई में उन्होंने मुझे आनंद से कहा, एक महीने से मैं दवाई नहीं ले रहा हूँ, मुझे अच्छा लग रहा है, आप अच्छी कॉन्सेप्ट खोज लिया।

एक दिन जब मैं टेलीविजन देख रहा था तो एक योगी ने कहा कि, जब आप गहरी नींद में होंगे तब आपके पल्स रेट लगभग 30 का होगा। लेकिन व्याख्यान देते समय में भी मेरे नाड़ी 30 के आसपास रहती है। एक कार्यक्रम में सद्गुरु जग्गी वासुदेव ने कहा, एक बार जब वह अपनी आंखें बंद कर लेते हैं, तो सभी रीडिंग शून्य हो जाते हैं, जैसे मृत शरीर में होता है। फिर जब वह अपनी आंखें खोलेगा तो रीडिंग में बदलाव होंगे। इसे देखकर डॉक्टर को आश्चर्य हुआ। जो लोग एक्यूंपंक्चर का अभ्यास करते हैं, भले ही रीडिंग असामान्य हो, फिर भी वे सभी पदार्थों को खा कर बीमारियों को दूर कर रहे हैं।

एक बार 2011 में, मैं अपनी भतीजी के घर गया। दोनों पति-पत्नी डॉक्टर हैं। उनके चचेरे भाई को माइग्रेन का सिरदर्द हो गया। उनके बी.पी चेक करने के बाद, घर में मौजूद हर व्यक्ति की जाँच की। उसने 150-110 पर मेरे रीडिंग को देखकर आश्चर्यचकित हो गया। उसने पूछा कि आप इतनी रीडिंग पर भी कैसे सामान्य रहते हो? फिर मैंने उत्तर दिया, मैं सामान्य व्यक्ति नहीं हूँ, मैं चमत्कारी व्यक्ति हूँ, इसलिए मेरा रीडिंग ऐसे ही रहेंगे, फिर भी मैं स्वास्थ्य रहूँगा।

इसलिए मैं अपने अनुभव के साथ कहता हूँ कि डॉक्टरों द्वारा बताई गई रीडिंग का चिंता न करें। आपका शरीर जो कुछ भी करता है, उसे सही समझ कर, शरीर को स्वतंत्रता दें, और खुद को ठीक करने की अनुमति दें। शरीर हमारे शक्ति स्तर के अनुसार, आध्यात्मिक ज्ञान के अनुसार रीडिंग को बढ़ाता या घटाता है। क्या बच्चे, बड़े, वृद्ध और योगी में एक ही रीडिंग होगी? मेरा जवाब है, नहीं। योगियों के अंदर कुछ अलग होगा। इसलिए वे चमत्कार कर सकते हैं। योगी कह रहे हैं कि हमारे अंदर आत्मा, सात चक्र, कुंडलिनी, 72,000 नाड़ियाँ आदि हैं, जिन पर डॉक्टरों को विश्वास नहीं है। योगियों ने जो बोला उस ज्ञान को और न्यूएनर्जी कॉन्सेप्ट का पालन करने के बाद ही, मैं अपनी परेशानियों को खुद कम करके खुश हूँ।

इसलिए योगियों का पालन करें, डॉक्टरों का नहीं। क्योंकि योगियों को अधिक ज्ञान होता है। ध्यान करते समय हमारे अंदर न्यूएनर्जी प्रवेश करती है। इसकी वजह से रीडिंग बढ़ सकता है और घटा सकता है। यदि आप शरीर को अनुमति दिया तो, शरीर खुद को संतुलित कर लेगा। शरीर में दर्द, सुस्ती, कमजोरी, बुखार या कोई स्वास्थ्य समस्या होने पर भी, शरीर खुद को ठीक कर लेगा। न डॉक्टरों से सलाह लेने की जरूरत है, नाही दवाई लेने की जरूरत है। ध्यान करने से रीडिंग में वृद्धि या कमी होगी, यह ज्ञान सुन के, डर की वजह से अगर आप ध्यान नहीं करते, तो आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं को अपने आप हल नहीं कर सकते।

यहां तक कि डॉक्टर भी आपकी समस्याओं को हल नहीं कर सकते, क्योंकि इस समय पृथ्वी ग्रह में अधिक मात्रा में शक्ति प्रवाहित हो रही है। पृथ्वी का शक्ति स्तर बढ़ता रहेगा। यह प्रत्येक व्यक्ति को प्रभावित करेगा, भले ही वे ध्यान न करें। तो उस शक्ति की वजह से हमारे पूरा सिस्टम परिवर्तन हो रहा है। शरीर खुद को उच्च शक्ति के लिए ट्यून हो रहा है। इसकी वजह से सबकी रीडिंग बदल रहे हैं। यह डॉक्टर नहीं समझते।

मुझे पता है कि यह जानकारी आप में संदेह पैदा करेगी। लेकिन आपको उस साहसपूर्ण कदम को उठाना होगा, आपको जोखिम उठाना होगा, कोई अन्य विकल्प नहीं है। मैं 2004 से यह कदम उठा रहा हूँ। मैं आपको मजबूर नहीं कर रहा हूँ, अगर आप साहसिक कार्य करना चाहते हैं, तभी जोखिम उठाएं। मैं अपना अनुभव बता रहा हूँ। यहां तक कि डॉक्टर भी आपके स्वास्थ्य की गारंटी नहीं दे सकते; ऑपरेशन करने से पहले वे आपके हस्ताक्षर लेंगे। यहां वे कुछ गलत नहीं कर रहे हैं। मुझे डॉक्टरों से नफरत नहीं है। उनके अध्ययन के अनुसार वे सलाह दे रहे हैं। लेकिन हमें नतीजे नहीं मिल रहे हैं। अगर मुझे डॉक्टरों से परिणाम मिला होता, तो मैं ध्यान में प्रवेश नहीं करता। डॉक्टर की सलाह पालन करता।

साथ ही खुद को नई चीजों के लिए धीरे-धीरे ट्यून करें और धीरे-धीरे पुराने को छोड़ दें। क्योंकि अचानक पुरानी आदतों को रोकना और अचानक नई चीजों का पालन करना, समस्याएं पैदा कर सकता है। मेरे एक दोस्त ने अचानक दूध उत्पादों का उपयोग करना बंद कर दिया, क्योंकि उसने एक पुस्तक में पढ़ा कि दूध उत्पाद शरीर के लिए अच्छे नहीं हैं। लेकिन 1 महीने के भीतर वह बीमारी के कारण अस्पताल में भर्ती हो गया। डॉक्टर ने कहा कि दूध उत्पादों को अचानक छोड़ने के कारण हुआ। इसलिए मेरी सलाह, दवाओं सहित किसी को भी अचानक नहीं छोड़ना। उसी तरह, पहले ही छोड़ दिए गए किसी भी पदार्थ को, एक साथ अधिक मात्रा में न खाएं।

अंत में मैं जो कहना चाहूंगा वह यह है कि, आपके अंतर मतलब आत्मा का अनुसरण करना, दूसरों का अनुसरण न करना। पुरानी मान्यताओं और डॉक्टरों की सुजाव को छोड़ दें। शरीर जो कुछ भी करता है, उसे पूर्ण महसूस करें, भले ही आपको दर्द हो रहा हो। गर्मी के मौसम में पेड़ का सुखाना स्वाभाविक है। फिर से बारिश होगी, और फिर से पेड़ बड़ा होगा, शरीर के साथ भी ऐसा ही होगा।

जब शक्ति हमारे शरीर में प्रवेश करती है तो यह अंदर कि ब्लॉक खोलती है। तब हमें दर्द और कमजोर आदि महसूस होगा। उन दिनों आराम करें, जो मैंने कहा था उसका पालन करें। दर्द मारने के लिए नहीं, बल्कि आपकी मदद करने के लिए आ रहे हैं, ऐसा मानकर ध्यान कीजिए। शरीर खुद को स्वाभाविक रूप से संतुलित करेगा। इसलिए कृपया आप अपने शरीर पर भरोसा रखें। जिस तरह से यह काम करता है उस पर संदेह न करें। यह मेरी सलाह है, लेकिन आँख बंद करके मेरा पालन न करें। सब कुछ विचार करने के बाद, अपना निर्णय लें।

\*\* यह ज्ञान तेलुगु भाषा से अनुवादित है। तेलुगु या अन्य भाषाओं में यह ज्ञान पढ़ने के लिए इस लिंक पर क्लिक करें <http://darmam.com/library.html>

\*\* सिर्फ खान-पान की आदतों में बदलाव करके स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए इस लिंक पर क्लिक करें <http://coronakaal.tv>

<http://darmam.com/downloads/englishtopics/28.dip-gol-english.pdf>